संवाद न्यूज

हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है हिंदी : डॉ. जगूड़ी

एम्स में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशाला एवं क्विज का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। एम्स में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला एवं हिंदी क्विज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।

राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ निदेशक डॉ. मीनू सिंह, प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुकेश पाल, मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र कुमार जगूड़ी तथा वीरेंद्र सिंह राणा ने किया।

मुख्यवक्ता डॉ. नरेंद्र कुमार जगूड़ी ने कहा कि हिंदी हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है और कार्यालयी कार्यों में इसके प्रयोग को बढ़ाने के साथ आने वाली चुनौतियों का समाधान भी संभव है। वीरेंद्र सिंह राणा ने हिंदी की स्वीकार्यता को व्यापक बनाने पर बल दिया।

एम्स में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करतीं एम्स निदेशक प्रो. मीनू सिंह। स्रोत : एम्स

संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) गोपाल मेहरा ने कहा कि मातृभाषा की श्रीवृद्धि के लिए हिंदी का उपयोग केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक आचार-व्यवहार और कार्यालयी कार्यों में निरंतर अपनाना आवश्यक है। कार्यशाला के आयोजन में हिंदी सेल के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी नीरज कुमार वर्मा, आदि ने सहयोग किया।

नवोदय टाइम्स

हिंदी के अधिक प्रयोग पर दिया जोर

श्यामपुर, 26 मार्च (नवोदय टाइम्स) : एम्स ऋषिकेश में हिंदी के प्रगामी प्रयोग (उत्तरोत्तर विकास) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला में राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आयोजित कार्यशाला में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

हिंदी के विकास व सतत प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम्स, ऋषिकेश में हिंदी कार्यशाला तथा हिंदी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुभारंभ संस्थान की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) मीनू सिंह, प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) मुकेश पाल, सहायक समन्वयक, उत्तराखंड मुक्त विद्यालय डॉ. नरेंद्र कुमार जगूड़ी और भारतीय खाद्य निगम श्री वीरेंद्र सिंह राणा ने किया।

■ हिंदी के विकास को लेकर एम्स, ऋषिकेश में कार्यशाला

इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र कुमार जगूड़ी ने कार्यशाला प्रतिभागियों को बताया, हिंदी हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है और कार्यालयी कार्यों में हिंदी को बढ़ाने एवं उनसे निपटने वाली चुनौतियों का समाधान कैसे किया जा सकता है। वीरेंद्र सिंह राणा ने हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ाने पर जोर दिया।

संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा ने मातृभाषा की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए इसे आचार व्यवहार के साथ साथ कार्यालयी कार्यों में अधिकाधिक उपयोग में लाने की जरूरत बताई। कहा, अपने कार्यों में सततरूप से हिंदी के इस्तेमाल से ही भाषायी सर्वांगीण विकास हो सकता है, लिहाजा इस तरह

के आयोजन महज औपचारिक नहीं होने चाहिए। आयोजन में हिंदी सेल में कार्यरत वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी नीरज कुमार वर्मा, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी स्वाति कैंतुरा, कार्यालय परिचारक मंजीत ने कार्यशाला के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। राजभाषा पर आधारित प्रगामी प्रयोग और प्रसार को लेकर आयोजित हिंदी कार्यशाला एम्स, ऋषिकेश के कार्मिकों के लिए प्रेरणा-दायक सिद्ध हुई। समापन पर सम्मानित अतिथियों ने संस्थान की ओर से सभी क्विज विजेताओं को पुरस्कृत किया।

हिन्दुस्तान

हिंदी हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है: जगूड़ी

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में हिंदी कार्यशाला तथा हिंदी क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया गया। कार्यशाला में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान की निदेशक प्रो. मीनू सिंह, प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुकेश पाल, डॉ. नरेन्द्र कुमार जगूड़ी, सहायक समन्वयक, भारतीय खाद्य निगम से वीरेंद्र सिंह राणा ने किया। अतिथि वक्ता डॉ. नरेंद्र कुमार जगूड़ी ने बताया कि हिंदी हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है। अतिथि वक्ता वीरेन्द्र सिंह राणा ने हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ाने पर जोर दिया। संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा ने मातृभाषा की उत्तरोत्तर श्रीवृद्धि के लिए इसे आचार व्यवहार के साथ साथ कार्यालयी कार्यों में अधिकाधिक उपयोग में लाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों में सततरूप से हिंदी के इस्तेमाल से ही भाषायी सर्वांगीण विकास हो सकता है। लिहाजा इस तरह के आयोजन महज औपचारिक नहीं होने चाहिए। आयोजन में हिन्दी सेल में कार्यरत वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी नीरज कुमार वर्मा, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी स्वाति कैंतुरा, कार्यालय परिचारक मंजीत ने कार्यशाला के आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

■ एम्स में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई कार्यशाला

दैनिक जागरण

संस्कृति से जोड़ने का काम करती है हिंदी

ऋषिकेश : एम्स, ऋषिकेश में हिंदी के प्रगामी प्रयोग (उत्तरोत्तर विकास) को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजकीय कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में अतिथि वक्ता डा. नरेंद्र कुमार जगूड़ी ने कहा कि हिंदी हमें हमारी संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कार्यालय के कामों में हिंदी को बढ़ाने एवं उसमें आने वाली चुनौतियों का समाधान कैसे किया जा सकता है इस बारे में बताया। सहायक समन्वयक, उत्तराखंड मुक्त विद्यालय वीरेंद्र सिंह राणा कहा कि ने हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ाने पर जोर दिया। एम्स के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा ने मातृभाषा की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए इसे आचार व्यवहार के साथ साथ कार्यालयी कार्यों में अधिकाधिक उपयोग में लाने की जरूरत बताई। कहा कि अपने कार्यों में सतत रूप से हिंदी के इस्तेमाल से ही भाषायी सर्वांगीण विकास हो सकता है, लिहाजा इस तरह के आयोजन महज औपचारिक नहीं होने चाहिए। इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुकेश पाल ने किया।